दूसरों से जुड़े होने, मैं जो हूँ और कुछ बनने का एहसास

आॅस्ट्रेलिया के लिए आरंभिक वर्षों में शिक्षण का ढाँचा

BELONGING, BEING & BECOMING

An Early Years Learning Framework for Australia

परिवारों के लिए जानकारी

Hindi

अर्ली ईअरस् लर्निंग फ्रेमवर्क (आरंभिक वर्षों में शिक्षण का ढाँचा)

जन्म से पाँच वर्ष तक, बच्चों के लिए आरंभिक वर्षों में शिक्षण का एक नया, राष्ट्रीय ढाँचा

यह नया लर्निंग फ्रेमवर्क (शिक्षण का ढाँचा) किस बारे में है?

आपके बच्चे को उसके बचपन के आरंभिक वातावरण में उच्च कोटि के शिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध करवाने के लिए हमने दि अर्ली ईअरस् लर्निंग फ्रेमवर्क (आरंभिक वर्षों में शिक्षण का ढाँचा) विकसित किया है। बच्चों के शिक्षण और विकास के लिए ये आरंभिक वर्ष बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं।

सभी बच्चे आनंद का अनुभव करते हुए ऐसा शिक्षण प्राप्त करें जो उन्हें जीवन में सफलता प्रदान करे, यही इस फ्रेमवर्क (ढाँचे) का सपना है।

जो लोग जन्म से पाँच वर्ष तक की आयु के बच्चों के शिक्षक हैं, यह कार्यक्रम उनका पथप्रदर्शक है। वे इस फ्रेमवर्क का प्रयोग बच्चों के परिवारों, जो कि बच्चों के प्रथम और सर्वाधिक प्रभावी शिक्षक हैं. के साथ भागीदारी में करेंगे और बच्चों के विचारों, रुचियों, सामर्थ्य और योग्यताओं के अनुसार और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि बच्चे खेल-खेल में सीखते हैं, उनके लिए शिक्षण कार्यक्रमों का विकास करेंगे।

दि अर्ली ईअरस् लर्निंग फ्रेमवर्क बचपन के समय का वर्णन *दूसरों से जुड़े होने, मैं जो हूँ* और *कुछ बनने* के समय के रूप में करता है।

- दूसरों से **जुड़े होने का एहसास** ही भरपूर जीवन जीने की बुनियाद है। बच्चों का अपने परिवार, समुदाय, संस्कृति और रहने के स्थान से जो नाता है, वही उन्हें दूसरों से *जुड़े होने* का एहसास दिलाता है।

- **मैं जो हूँ** वर्तमान में जीवन जीने से संबंधित है। बचपन जीवन का एक विशेष समय है और बच्चों को इसका आनंद लेने का मौका मिलना चाहिए – खेलने, नई बातें सीखने और आनंद का अनुभव करने का समय।

- छोटे बच्चों को शिक्षण और विकास का जो अनुभव प्राप्त होता है, **कुछ बनना** उसी से संबंधित है। बहुत छोटी उम्र से ही बच्चों को अपनी पहचान का बोध होने लगता है जो यह निश्चित करता है कि वयस्क होने पर वे कैसे व्यक्ति बनेंगे।

“मेरी यही इच्छा है कि मेरे बच्चे को सृजनात्मक खेल खेलने के अत्यधिक अवसर मिलें”

खेलना ही सीखना है

जन्म के समय से ही खेल बच्चों के लिए अत्यधिक महत्त्वपूर्ण होता है । जब वे बातचीत करते हैं, कुछ नया खोजते हैं, कल्पना करते हैं और कुछ सृजनात्मक कार्य करते हैं, तो खेल के द्वारा ही शिशु और छोटे बच्चे अपने इर्द-गिर्द के वातावरण का आभास और जानकारी प्राप्त करते हैं ।

जब बच्चे खेलते हैं तो उन्होंने जो सीखा है और वे जिसे समझने का प्रयास कर रहे हैं, उसे दर्शाते हैं । यही कारण है कि दि अर्ली ईअरस् लर्निंग फ्रेमवर्क की बुनियादों में खेलना भी शामिल है ।

इस फ्रेमवर्क के इस्तेमाल के द्वारा शिक्षक सावधानी से आपके बच्चे की शिक्षण गतिविधियों का खाका बना कर और घर के भीतर और बाहर के शैक्षिक वातावरण में प्रोत्साहन के द्वारा उसके खेल का दिशा-निर्धारण करेंगे ।

आपसी संबंध ही कुंजी हैं

यह सर्वविदित है कि जब बच्चे अपने हितैषी वयस्कों से सुरक्षित संबंध का अनुभव करते हैं तो वे सर्वाधिक सीखते हैं । जब बहुत छोटी उम्र से ही बच्चे विश्‍वसनीय संबंध बना पाते हैं तो वे अधिक आश्‍वस्त अनुभव करते हैं, अधिक नई जानकारी हासिल करते हैं और अधिक सीखते हैं ।

जब बच्चे बचपन के वातावरण में भावनात्मक सुरक्षा का अनुभव करते हैं तो वे दूसरों के साथ सकारात्मक पारस्परिक संबंध स्थापित करने और धीरे-धीरे जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार करने की कलाएं और समझ विकसित कर सकते हैं ।

यह कैसे कार्यान्वित होगा?

शिक्षक इस नए फ्रेमवर्क का इस्तेमाल बचपन के अनेक प्रकार के वातावरणों में करेंगे जिनमें लाँग डे केयर (पूरे दिन की शिशु देख-रेख), प्रि-स्कूल (विद्यालय जाने से पहले वर्ष की शिक्षा) और फैमिली डे-केयर (पारिवारिक वातावरण में शिशु देख-रेख) शामिल हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आपके बच्चे का अनुभव उच्च कोटि का हो। इस फ्रेमवर्क का विकास और परीक्षण छोटे बच्चों के अनुभवी शिक्षकों, शिक्षाविदों, माता-पिताओं और देख-रेख करने वालों ने किया है।

इस फ्रेमवर्क का केंद्रबिंदु आपके बच्चे का शिक्षण है। शिक्षक आपके बच्चे को अच्छी तरह समझने के लिए आपके साथ मिल कर काम करेंगे। वे एक ऐसा शिक्षण कार्यक्रम बनाएंगे जो आपके बच्चे की रुचियों और योग्यताओं को बढ़ावा दे और वे आपको आपके बच्चे की प्रगति से अवगत रखेंगे।

फ्रेमवर्क के पाँच शिक्षण उद्देश्यों के द्वारा शिक्षक आपके बच्चे को निम्नलिखित विकसित करने में सहायता देंगे:

- अपनी पहचान का सशक्त बोध
- अपने वातावरण से तालमेल
- अपने कल्याण का सशक्त बोध
- अपने शिक्षण के प्रति विश्वास और उसमें भाग लेना; और
- बातचीत की प्रभावी कला

"शिक्षण के परिणाम सकारात्मक हैं और मेरे बच्चे की प्रगति कैसी है, मुझे इसके बारे में सोचने में सहायता देते हैं"

अपने बच्चे की प्रगति पर नज़र रखना

दि अर्ली ईअरस् लर्निंग फ्रेमवर्क के इस्तेमाल से शिक्षक आपके बच्चे के शिक्षण पर नज़र रखेंगे ताकि वे उसे और विकसित कर सकें और आगे उसे जो सीखना है उसकी योजना बना सकें। वे आपके बच्चे की बातें सुनकर, उस पर नज़र रख कर और उससे बातचीत करके ऐसा करेंगे।

वे आपके बच्चे की प्रगति के बारे में आपसे चर्चा करने के लिए नियमित रूप से आपसे संपर्क करेंगे। आपके बच्चे ने क्या सीखा है, उसे आपको दिखाने के लिए वे फ़ोटो का इस्तेमाल कर सकते हैं अथवा आपके बच्चे की कृतियों को एक फ़ाईल में रख सकते हैं।

आपके बच्चे के विद्यालय जाना शुरु करने से पहले शिक्षक आपके बच्चे ने जो शिक्षण और विकास प्राप्त कर लिया है उसकी जानकारी उसके नए शिक्षक को देने के लिए तैयार करेंगे। इससे यह सुनिश्चित हो पाएगा कि आपके बच्चे का नया विद्यालय उसकी शिक्षा को जारी रखने के लिए भली भाँति तैयारी कर सके।

मिल जुल कर काम करना

माता-पिता और शिक्षक मिल कर काम करके बच्चे के शिक्षण और कल्याण में उन्नति ला सकते हैं।

बच्चे के जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति होने के नाते आप उसके छुटपन के शिक्षक के साथ नियमित रूप से चर्चा करके और उसकी शिक्षा में रुचि लेकर अत्यधिक योगदान दे सकते हैं।

आप द्वारा प्रदान की गई जानकारी के द्वारा शिक्षक के लिए जिस वातावरण में आपके बच्चे का बचपन गुज़रता है, उससे उसके घर के अनुभवों को जोड़ना संभव हो पाता है।

“दि अर्ली ईअरस् लर्निंग फ्रेमवर्क मुझे यह समझने में सहायता देता है कि हमारे केन्द्र के कर्मचारी कितने कुशल हैं और वे मेरे और मेरे परिवार के कितने सहायक हैं”

अधिक जानकारी प्राप्त करें

यह पुस्तिका अर्ली ईअरस् लर्निंग फ्रेमवर्क का परिचय देती है ।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए deewr.gov.au/earlychildhood पर जाएं अथवा अपने बच्चे के छुटपन के शिक्षक से संपर्क करें ।

Produced by the Australian Government Department of Education, Employment and Workplace Relations for the Council of Australian Governments.

A09-057